भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1067
दिनांक 24 जुलाई, 2026 को उत्तर के लिए

सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजना

1067. **श्री जयन्त बसुमतारी:**

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य, पोषण, कल्याण और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने वाली प्रथाओं को विकसित और प्रोत्साहित करने के लिए संबंधित मंत्रालयों, विभागों और राज्य सरकारों को शामिल करते हुए एक 'अभिसरण पारिस्थितिकी तंत्र' के निर्माण की वर्तमान स्थिति क्या है तथा अब तक इसके क्या परिणाम हासिल हुए हैं;

(ख) चल रहे पोषण कार्यक्रम में कमियों और त्रुटियों को दूर करने, इसके कार्यान्वयन में सुधार करने तथा पोषण व बाल विकास के परिणामों में तेजी से सुधार लाने के लिए पोषण 2.0 के अंतर्गत मौजूदा घटकों के पुनर्गठन और युक्तिकरण का ब्यौरा क्या है तथा इसके लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के संबंध में क्या विशिष्ट उपाय किए गए हैं; और

(ग) देश भर में आंगनवाड़ी अवसंरचना की वर्तमान स्थिति क्या है तथा आधुनिक और उन्नत की गई सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या के साथ-साथ भवनों, पेयजल, स्वच्छता, बिजली और डिजिटल अवसंरचना जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता का राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (ग): पोषण केवल भोजन ग्रहण करने तक सीमित नहीं है; इसके लिए उचित पाचन, अवशोषण और पोषक तत्वों का चयापचय आवश्यक है। यह प्रक्रिया स्वच्छता,

शिक्षा और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता जैसे कारकों से प्रभावित होती है। चूंकि कुपोषण के लिए भोजन, स्वास्थ्य, जल, स्वच्छता और शिक्षा के आयामों को शामिल करते हुए बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, इसलिए कुपोषण की समस्या का प्रभावी समाधान समन्वित तरीके से करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस समस्या का समाधान मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) के अंतर्गत 18 मंत्रालयों/विभागों के बीच पारस्परिक समन्वय स्थापित करके किया जा रहा है।

मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत कार्यान्वयन, समन्वय और निगरानी को सुदृढ़ करने के लिए राज्य-स्तरीय संचालन समितियों और जिला पोषण समितियों का गठन किया गया है, ताकि विभिन्न विभागों की गतिविधियों का समन्वय किया जा सके तथा योजनाओं/कार्यक्रमों के बीच प्रभावी तालमेल सुनिश्चित किया जा सके।

इन मंत्रालयों और विभागों के साथ-साथ राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के समन्वय से की जाने वाली प्रमुख गतिविधियों में से एक सामुदायिक जुटाव और जागरूकता का प्रसार करना है, जिसका उद्देश्य लोगों को पोषण संबंधी पहलुओं के बारे में शिक्षित करना है, क्योंकि पोषण संबंधी अच्छी आदतों को अपनाने के लिए व्यवहार परिवर्तन हेतु निरंतर प्रयासों की आवश्यकता होती है। राज्य और संघ राज्य क्षेत्र क्रमशः सितंबर तथा मार्च-अप्रैल महीनों में मनाए जाने वाले पोषण माह और पोषण पखवाड़ा के दौरान जन आंदोलनों के अंतर्गत नियमित जागरुकता प्रसार गतिविधियों का आयोजन एवं उनकी रिपोर्टिंग कर रहे हैं। समुदाय आधारित कार्यक्रम (सीबीई) पोषण संबंधी व्यवहारों में बदलाव लाने की एक महत्वपूर्ण कार्यनीति के रूप में कार्य कर रहे हैं और सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रत्येक माह समुदाय आधारित दो कार्यक्रम आयोजित करना आवश्यक है। वर्ष 2018 से जून 2026 तक कुल 10.5 करोड़ सीबीई आयोजित किए जा चुके हैं तथा वर्ष 2018 से अब तक 16 जन आंदोलनों के माध्यम से 150 करोड़ से अधिक जन आंदोलन गतिविधियाँ आयोजित की जा चुकी हैं।

मिशन पोषण 2.0 में पोषण और बच्चों के विकास को सुदृढ़ करने और सुधार में तेजी लाने के लिए आंगनवाड़ी सेवाओं, पोषण अभियान तथा किशोरियों के लिए योजना को सम्मिलित कर लिया गया है। यह एक केंद्र प्रायोजित मिशन है, जिसे देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में कार्यान्वित किया जा रहा है। मिशन की विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की है। इस मिशन के लाभार्थियों में 6 वर्ष से कम आयु के बच्चे, गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली

माताएं और किशोरियां (आकांक्षी जिलों और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 14-18 वर्ष आयु वर्ग की) शामिल हैं।

देश भर में आंगनवाड़ी अवसंरचना की वर्तमान स्थिति, जिसमें आधुनिकीकृत और उन्नत किए गए सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या भी दर्शाई गई है, अनुलग्नक-I में दी गई है। भवनों, पेयजल और स्वच्छता जैसी सुविधाओं वाले आंगनवाड़ी केंद्रों में अवसंरचना की स्थिति अर्थात जहां भवन, पेयजल और स्वच्छता सुविधा उपलब्ध है की सूचना पोषण ट्रैकर एप्लिकेशन के सार्वजनिक डैशबोर्ड https://www.poshantracker.in/statistics पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता अर्थात - आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री, ब्लॉक समन्वयक और पर्यवेक्षकों को स्मार्टफोन दिए गए हैं ताकि वे लाभार्थियों को मिशन पोषण 2.0 के अन्तर्गत दी जा रही सेवाओं के आंकडे पोषण ट्रेकर डिजीटल एप्लीकेशन पर प्रविष्ट कर सकें। - लाभार्थियों को मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत प्रदान की जा रही सेवाओं का डेटा पोषण ट्रैकर डिजिटल एप्लिकेशन पर दर्ज करने के लिए स्मार्टफोन से सुसज्जित हैं।

*****

अनुलग्नक

देश भर में आंगनवाड़ी अवसंरचना की मौजूदा स्थिति, जिसमें आधुनिक और उन्नत किए गए सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या दर्शाइ गई है।

क्रम सं	**राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के नाम**	**उन्नयन के लिए स्वीकृत आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या**
1	नागालैंड	149
2	मणिपुर	30
3	लद्दाख	14
4	चंडीगढ़	69
5	सिक्किम	435
6	अरुणाचल प्रदेश	152
7	आंध्र प्रदेश	9958
8	असम	5407
9	मिजोरम	1600
10	मेघालय	121
11	कर्नाटक	17732
12	त्रिपुरा	474
13	महाराष्ट्र	14,745
14	गोवा	24
15	जम्मू और कश्मीर	338
16	अंडमान और निकोबार	140
17	लक्षद्वीप	18
18	उत्तर प्रदेश	23697
19	तमिलनाडु	11972
20	पुद्दुचेरी	135
21	केरल	4152
22	उत्तराखंड	827

23	छत्तीसगढ़	11490
24	पश्चिम बंगाल	5359
25	मध्य प्रदेश	24662
26	ओडिशा	12140
27	बिहार	11529
28	तेलंगाना	5008
29	गुजरात	13147
30	राजस्थान	3514
31	झारखंड	16775
32	हिमाचल प्रदेश	1030
33	पंजाब	353
34	हरियाणा	2804

*****